सपा प्रत्याशी डा. मानसिंहने भाजपा उम्मीदवार अशोक राठौरको २७६६३ मतोंसे हराया

इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीटपर फिर सपा का कब्जा, डा. मानसिंह यादव लगातार दोबारा बने विधान परिषद सदस्य



इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डा. मानसिंह यादव ने अपने प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर को २७६३३ मतों से पराजित कर विधान परिषद सदस्य की कुर्सी पर फिर कब्जा जमा लिया। झांसी में हुई मतगणना के बाद वह प्रयागराज के लिए रवाना हो गये हैं। उम्मीद है कि देर रात तक वह यहां पहुंच जायेंगे। उनके स्वागत एवं जश्न की तैयारी में सपा कार्यकर्ता जुट गये हैं।

बता दें कि २३ अक्तूबर को स्नातक एमएलसी के लिए मतदान हुआ था। इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट के लिए सपा से डा.मान सिंह यादव और भाजपा से अशोक कुमार राठौर एवं शिवशंकर पटेल आदि के लिए प्रयागराज में एक लाख १५ हजार १९ मतदाताओं में मात्र ३२.८६ प्रतिशत वोटरों ने मतदान किया। झांसी में २७ अक्तूबर को मतगणना शुरू हुई।

मतगणना के मात्र एक चक्र में ही भाजपा प्रत्याशी (३,२९१ वोट) ही बढ़त बना सके, जिसके बाद हर चक्र में सपा प्रत्याशी आगे रहे और अंत में सपा प्रत्याशी डा. मान सिंह यादव ने ६०,३५८ वोट पाकर विजयी घोषित हुये और भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर को ३२६९५ वोट ही मिले। जबकि शिवशंकर पटेल एवं अन्य काफी पीछे रह गये। सपा प्रत्याशी ने अपने प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी को २७,६६३ वोटों से पराजित किया। बता दें कि २०२० में भी डा.मान सिंह यादव भाजपा प्रत्याशी डा. यज्ञदत्त शर्मा को काफी मतों से पराजित कर विधान परिषद सदस्य चुने गये थे। जबकि उस समय प्रयागराज में मतदाताओं की संख्या मात्र ६२ हजार थी। अधिकांश स्नातकों ने मतदान से दूरी बनायी थी। जिसे देखते हुए इस बार स्नातक, शिक्षकों को जोड़ने का पूरा प्रयास किया गया और प्रयागराज में मतदाताओं की संख्या एक लाख १५ हजार १९ हो गयी। उन्हें मतदान करने के लिए प्रत्याशियों के साथ जिला प्रशासन ने काफी जागरूक किया कि वह घर से निकलकर मतदान करें, लेकिन यह प्रयास विफल रहा और मात्र ३२.८६ प्रतिशत ही मत पड़े। शुरू से ऐसा माना जा रहा था कि भाजपा प्रत्याशी को इसका नुकसान उठाना पड़ेगा और यही सोच सच साबित हुई और भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर को पराजय का मुंह देखना पड़ा।

चांदीके भावमें गिरावट बरकरार

चांदी के भाव में गिरावट बरकरार है। लम्बे समय के बाद त्योहारी सीजन में सोना और चांदी के भाव में गिरावट से सराफा कारोबारियों और ग्राहकों को राहत मिली हैं। काफी समय के बाद बुधवार को चांदी का प्रति किलो भाव दो लाख के नीचे पहुंचा। चांदी का भाव सराफा बाजार में एक लाख ९९ हजार आठ सौ रुपये रहा है। सोने का प्रति दस ग्राम भाव एक लाख ४४ हजार रुपये रहा है। इधर दामों में नरमी के कारण धनतेरस और दीपावली से पहले सराफा बाजारों में ग्राहकों की एडवांस बुकिंग और खरीदारी तेज हो गयी है।

हाईकोर्टमें साथीसे दुर्व्यवहारको लेकर वकीलोंका हंगामा, तोड़फोड़

अधिवक्ताओंने एक कोर्टका किया बहिष्कार, घंटे भर प्रभावित रहा कार्य

(विधि संवाददाता)

कुर्सी पर बैठने को लेकर मंगलवार को एक अधिवक्ता से दुर्व्यवहार को लेकर हाईकोर्ट में बुधवार को वकीलों ने एक कोर्ट का बहिष्कार किया और जमकर हंगामा, नारेबाजी व तोड़फोड़ की।

मंगलवार को हुई एक घटना को लेकर विवाद बढ़ा। उस कोर्ट में पुलिस अधीक्षक के लिए अगली पंक्ति में अलग कुर्सी रखी गई थी। एक वकील ने एसपी से पीछे बैठने को कहा। सरकारी अधिवक्ता ने इसकी शिकायत जज से की। आरोप है कि वकील को फटकार लगाई गई, जेल भेजने की धमकी दी और एसपी से माफी मांगने को कहा गया। एक वरिष्ठ अधिवक्ता का भी मजाक उड़ाने का आरोप लगाया गया।

हाईकोर्ट बार के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व महासचिव ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग करते हुए उक्त कोर्ट के बहिष्कार की धमकी दी। उनका कहना था कि वकीलों की गरिमा का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बुधवार को जब कोर्ट बैठी तो वकीलों ने नारेबाजी शुरू कर दी। विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया। गुस्साए अधिवक्ताओं ने डायस की तरफ कुर्सियां और अन्य फर्नीचर फेंके। बताया जाता है कि शिकायत करने वाले सरकारी वकील को भी वकीलों के गुस्से का कोपभाजन बनना पड़ा। कोर्ट रूम में अफरातफरी मच गई। कोर्ट के बाहर भी जमकर नारेबाजी हुई। बवाल के कारण चीफ जस्टिस कोर्ट में भी लगभग एक घंटा कार्य प्रभावित हुआ।

उस दौरान वहां फ्रेश केस नम्बर १३ की सुनवाई चल रही थी। तभी कोर्ट में चीफ जस्टिस के पीपीएस आए और उन्होंने चीफ जस्टिस को कुछ बताया। उसके बाद कोर्ट उठकर चैंबर में चली गई। वहां फिर लगभग १२ बजे सुनवाई शुरू हुई।

झांसी से प्रयागराज तक मना जश्न, ढोल ताशोंकी थापपर थिरके

सपा कार्यकर्ताओंने एक-दूसरेको मिठाई खिलाकर दी बधाई



इलाहाबाद झांसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से सपा उम्मीदवार डा. मानसिंह यादव की जीत पर सपाइयों ने झांसी से लेकर प्रयागराज तक खूब जश्न मनाया। सपाइयों ने कहा कि यह जीत निश्चित ही २०२७ का मार्ग खोलेगी।

झांसी में जहां डा.मान सिंह यादव की जीत के बाद वहां पहुंचे सपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। वहीं जार्जटाउन स्थित पार्टी के जिला कार्यालय में नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने ढाल ताशे की थाप पर खूब नृत्य किया और एक दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर बधाई एवं शुभकामनायें दी। बधाई देने वालों में सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, पूर्व सांसद, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, विधायक श्रीमती विजमा यादव, हाकिम लाल बिन्द, संदीप पटेल,गीता शास्त्री,पूर्व मंत्री अंसार अहमद, पूर्व विधायक गण जोखूलाल यादव, हाजी परवेज अहमद,डॉ एस पी सिंह पटेल,हाजी मुजतबा सिद्दीकी, अमर नाथ मौर्य, रविंद्र यादव, जगदीश यादव, राम सुमेर पाल,पंधारी यादव, कृष्ण मूर्ति सिंह, ललून राय, रवि मिश्रा, नरेंद्र सिंह, मनोज पाण्डेय, राजू पासी,दान बहादुर मधुर, पूर्व प्रमुख संदीप यादव, रमाकांत पटेल,श्री कांत यादव, सुरेश कुमार यादव,तारिक सईद अज्जू, मो. शारिक, वजीर खां, भोला पटेल, दूध नाथ पटेल, बृजलाल, अमर सिंह, बच्चा यादव, शकील अहमद, मो. अजहर, सोम दत्त पटेल, विजय राज, भागीरथी बिन्द, ननकेश बाबू, शकील अहमद, ओ पी यादव,श्याम सूरत, आरएन यादव, सचिन श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

अदालती कार्यवाही बाधित करने और नारेबाजीपर हाईकोर्ट सख्त

वकीलोंके खिलाफ अवमानना एवं अनुशासनात्मक काररवाईके निर्देश

(विधि संवाददाता)

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परिसर के कारिडोर में नारेबाजी करने और अदालती कार्यवाही में बाधा उत्पन्न की घटना पर बेहद सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने इस आचरण को पूरी तरह अवमाननापूर्ण मानते हुए इसमें शामिल अधिवक्ताओं की पहचान कर उनके खिलाफ अवमानना एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने देवेंद्र कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट के बाहर कारिडोर में कुछ अधिवक्ताओं ने तेज आवाज में नारेबाजी शुरू कर दी, जिससे कोर्ट की कार्यवाही बाधित हुई। कोर्ट को बताया गया कि अधिवक्ता किसी अन्य कोर्ट में एक वकील की गरिमा से जुड़ी दुर्भाग्यपूर्ण घटना के विरोध में प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे थे। इस पर कोर्ट ने कहा कि दूरदराज से गरीब वादकारी अपनी समस्याओं के निवारण के लिए हाईकोर्ट आते हैं। यदि किसी अधिवक्ता को किसी विशेष न्यायालय से कोई समस्या है, तो भी उन्हें अन्य कोर्ट के बाहर चिल्लाने, नारेबाजी करने, न्यायिक कार्यवाही बाधित करने या न्यायालय को डराने-धमकाने वाले शब्दों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने इस व्यवहार को पूरी तरह अनुचित और घोर अवमाननापूर्ण करार दिया। कोर्ट ने रजिस्ट्रार प्रोटोकाल को निर्देश दिया कि कोर्ट के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज प्राप्त करें, घटना में शामिल अधिवक्ताओं की पहचान करें और अगली सुनवाई की तक अपनी रिपोर्ट सौंपें। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पहचान के बाद संबंधित अधिवक्ताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए मामला यूपी बार कौंसिल को भेजा जा सकता है और उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही भी शुरू की जाएगी। मामले की अगली सुनवाई १९ नवंबर को तय की गई है।

भाजपा मुद्दाविहीन, मुद्दोंपर लड़कर जीता चुनाव-डा.मानसिंह यादव

पत्नीके साथ एक ही कालेजमें शिक्षक हैं निर्वाचित सपा प्रत्याशी
सदनमें मजबूतीके साथ उठाते रहे जनहितका मुद्दा

इलाहाबाद झांसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कराने वाले सपा प्रत्याशी डा. मानसिंह यादव ने अपनी जीत पर सपा के नेतृत्व और पार्टी के कार्यकर्ताओं, स्नातक मतदाताओं के प्रति आभार जताते हुए सत्ता के झूठ के नरेटिव बनाम मुद्दों पर आधारित राजनीति की जीत बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा मुद्दाविहीन पार्टी है। उन्होंने मुद्दों पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की।

डा. मानसिंह यादव ने कहा है कि पेपर लीक, वित्तविहीन शिक्षक, शिक्षामित्र, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट, बाबा भीमराव आम्डेकर के संविधान को बचाना, युवाओं और जेनजी जैसे मुद्दों पर उन्होंने चुनाव लड़ा। कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पूर्व ही स्पष्ट किया था मुद्दों पर चुनाव लड़कर हम जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने भी लगातार युवाओं, बेरोजगारों, शिक्षकों, शिक्षामित्रों, आउटसोर्स, आंगनबाड़ी, आशा बहुओं, रोजगार सेवकों, किसानों सहित आम आदमी के मुद्दों को सड़क से लेकर सदन तक उठाने का काम किया है।

वोट चोरी के सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा ने वोट चोरी का भरकस प्रयास किया लेकिन मुद्दों के सामने उनका सारा प्रयास विफल साबित हुआ। भाजपा ने जनता को गुमराह करने की भी कोशिश की पर जनता जागरूक है और अब अपना अच्छा-बुरा बखूबी समझती है। वहीं दूसरी ओर एचआईजी कालोनी प्रीतमनगर निवासी निर्वाचित ५० वर्षीय सपा प्रत्याशी डा. मान सिंह यादव पुत्र स्व. श्रीकृष्ण यादव और उनकी पत्नी श्रीमती गुड्डी देवी मनौरी स्थित पब्लिक इंटर कालेज में शिक्षक हैं।

डा. मान सिंह यादव का जन्म २३ अक्तूबर १९७६ को हुआ। उन्होंने बीएड, एमएड, नेट और पीएचडी की पढ़ाई की। वर्तमान में भी वह एमएलसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र इलाहाबाद-झांसी हैं और इस बार भी विजयी हुये। उनकी एक बेटी कुमारी प्रतिष्ठा नौंवी की छात्रा एवं एक बेटा कुमार सिद्धार्थ छठीं का छात्र है। डा. मान सिंह विद्यार्थी जीवन में मुलायम सिंह यादव से प्रभावित रहे। अध्यापक भर्ती को लेकर माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड में २००६-०७ में चल रहे आंदोलन में संघर्ष समिति के अध्यक्ष रहे। इसके बाद इसी भर्ती में वह शिक्षक बने। सपा में शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष दो बार रहे। वर्तमान में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं स्नातक क्षेत्र के वर्ष २०२० में हुए चुनाव में विजय श्री पाकर स्नातक एमएलसी बने।

वह जनहित के मुद्दे पुरानी पेंशन, ६९००० शिक्षक भर्ती में मानक के अनुरूप आरक्षण, वित्त विहीन शिक्षक के लिए सेवा पुस्तिका एवं सम्मान जनक मानदेय, शिक्षा मित्रों के लिए समान कार्य का समान वेतन, प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक का मुद्दा, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कैलेडर जारी कराना, आउट सोर्सिंग, संविदा के स्थान पर सरकारी नौकरी, अधिवक्ताओं के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट, ग्राम रोजगार सेवक, अनुदेशक, आशा बहुये, आंगनवाड़ी, कंप्यूटर शिक्षक आदि मुद्दों को सड़क से सदन तक मजबूती के साथ उठाया।

दिव्यांग बच्चोंका मनाया जन्मोत्सव, शैक्षिक भ्रमणसे चेहरेपर बिखरी खुशियां

आनंद भवन, तारामंडल, विक्टोरिया पार्क, आजाद पार्क एवं संग्रहालयका जाना महत्व



बीएसए के निर्देशन में समेकित शिक्षा के तहत जिले के लगभग १५० दिव्यांग बच्चों के लिए शैक्षिक एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों को आनंद भवन, तारामंडल, विक्टोरिया पार्क, चंद्रशेखर आजाद पार्क एवं इलाहाबाद संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के माध्यम से बच्चों को विभिन्न ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं ज्ञानवर्धक स्थलों के महत्व से परिचित कराया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत इलाहाबाद संग्रहालय में सीडीओ श्रीमती हर्षिका सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में १० दिव्यांग बच्चों का केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया। सीडीओ ने बच्चों को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उनके साथ खुशियां साझा कीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 'प्रत्येक बच्चा विशेष है और उसमें आगे बढ़ने की असीम संभावनाएँ हैं। दिव्यांगता किसी भी बच्चे की प्रतिभा, क्षमता और सपनों की सीमा नहीं हो सकती। हमें प्रत्येक बच्चे को समान अवसर, स्नेह, प्रोत्साहन एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए। ऐसे आयोजन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के साथ उनमें आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता की भावना को मजबूत करते हैं।

हमारा प्रयास होना चाहिए कि प्रत्येक बच्चा अपनी प्रतिभा को पहचानते हुए जीवन में आगे बढ़े और अपने सपनों को साकार करे।' बीएसए अनिल कुमार ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव एवं सामाजिक सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। ऐसे शैक्षिक भ्रमण बच्चों के ज्ञानवर्धन, आत्मविश्वास तथा बौद्धिक, सामाजिक एवं सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक, समेकित शिक्षा विकास पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक्सपोजर विजिट एवं जन्मोत्सव कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी प्रदान की। इस मौके पर सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी वरुण यादव, जिला समन्वयक मध्यान्ह भोजन राजीव त्रिपाठी, सभी स्पेशल एजुकेटर एवं फिजियोथेरेपिस्ट मौजूद रहे।

इविवि : विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिये आवेदन शुरू

इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ की विभिन्न सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें द्वितीय परीक्षा (बैक पेपर/स्पेशल एग्जामिनेशन) और पूर्व छात्रों की परीक्षाएं भी शामिल हैं। अलग-अलग पाठ्यक्रमों और सेमेस्टर के लिए आवेदन की अंतिम तिथि १६ और २७ नवंबर निर्धारित की गई है।

परास्नातक पाठ्यक्रमों के द्वितीय सेमेस्टर, प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के दूसरे, चौथे और छठवें सेमेस्टर, एलएलबी के दूसरे और चौथे सेमेस्टर, बीएएलएलबी के दूसरे, चौथे, छठवें और आठवें सेमेस्टर तथा एलएलएम के दूसरे सेमेस्टर की द्वितीय परीक्षा के लिए १६ नवंबर तक आवेदन किया जा सकेगा। इन परीक्षाओं का परिणाम २५ नवंबर तक घोषित किया जाएगा। वहीं, परास्नातक पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर के नियमित एवं पूर्व छात्र और तीसरे सेमेस्टर के पूर्व छात्र आवेदन कर सकेंगे। प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में प्रथम, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के नियमित एवं पूर्व छात्रों के साथ सातवें सेमेस्टर के पूर्व छात्रों को भी आवेदन का अवसर मिलेगा। इसी तरह एलएलबी के प्रथम और तीसरे सेमेस्टर के नियमित एवं पूर्व छात्र तथा पांचवें सेमेस्टर के पूर्व छात्र आवेदन कर सकेंगे। बीएएलएलबी में प्रथम, तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर के नियमित एवं पूर्व छात्र तथा नौवें सेमेस्टर के पूर्व छात्र आवेदन के पात्र होंगे। एलएलएम के प्रथम सेमेस्टर के नियमित एवं पूर्व छात्र और तीसरे सेमेस्टर के पूर्व छात्र भी आवेदन कर सकेंगे। इन परीक्षाओं के लिए आवेदन की अंतिम तिथि २७ नवंबर है।

एलआईसी ने निकाली वाकाथन रैली



लोगोंको सतर्कता एवं साइबर-सुरक्षाके लिए किया जागरूक

भारतीय जीवन बीमा निगम प्रयागराज मण्डल के सिविल लाइंस स्थित मण्डल कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत वाकाथन रैली निकाली। विपणन प्रबंधक आलोक मैत्रा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली में मुख्य प्रबंधक एबी श्रीवास्तव, प्रबन्धक कार्मिक नीति गोस्वामी, प्रबन्धक कार्यालय सेवा रविन्द्र गुप्ता, विकास अवस्थी के साथ प्रशासनिक अधिकारी सतर्कता देवमणि यादव आदि सहभागिता की। इसके साथ ही मण्डलीय प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा सतर्कता पर अभिकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया। इस अभियान के द्वारा जन सामान्य को सतर्कता एवं साइबर-सुरक्षा के लिए जागरूक किया गया।

वकीलोंके शोर-शराबेसे सुनवाई बाधित,जजने केस स्थगित कर आदेश मुख्य न्यायाधीशको भेजा

(विधि संवाददाता)

इलाहाबाद हाई कोर्ट में बुधवार को कोर्ट नंबर ५५ में एक अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान कुछ अधिवक्ताओं द्वारा कोर्ट रूम के बाहर शोर मचाने से कार्यवाही बाधित हो गई। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान ने मामले को स्थगित कर दिया और आदेश की प्रति मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखने के निर्देश दिए।

आनंद प्रकाश केस की सुनवाई चल रही थी, तभी कोर्ट रूम के बाहर मौजूद अधिवक्ताओं ने शोर-शराबा शुरू कर दिया।अपने आदेश में न्यायालय ने कहा कि बार के कुछ सदस्य कोर्ट को कार्य करने नहीं दे रहे थे और बाहर से नारेबाजी के कारण आगे कार्यवाही चलाना कठिन हो गया। कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि हालांकि कोर्ट रूम में मौजूद अधिवक्ताओं ने अदालत की गरिमा बनाए रखी। जज ने टिप्पणी की कि वादकारियों के बड़े हित में न्यायालय का सुचारु संचालन सुनिश्चित करना बार के सदस्यों की जिम्मेदारी है।

आवेदक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए मामला स्थगित करने की प्रार्थना की। न्यायालय ने कहा कि इन हालात में मामले को स्थगित कर उठ जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।कोर्ट ने मामले को ५ नवंबर २०२६ को पेश करने का आदेश दिया।साथ ही निर्देश दिया कि आदेश की प्रति रजिस्ट्रार जनरल द्वारा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखी जाए।

कार्यकारिणी सदस्योंकी मतगणनामें सौरभकी बढ़त बरकरार

हाईकोर्ट बार चुनाव: प्रवीण तिवारी दूसरे और देवाशीष तीसरे स्थान पर

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के चुनाव में कार्यकारिणी सदस्य (पुरुष) की मतगणना में शुक्रवार को सौरभ शुक्ला १४१७ मतों के साथ सबसे आगे रहे। आचार्य प्रवीण तिवारी दूसरे (१३१७)और देवाशीष त्रिपाठी (१२३१) तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के वार्षिक चुनाव २०२६-२७ की मतगणना के २६वें दिन बुधवार को लाइब्रेरी हाल में कार्यकारिणी सदस्य (पुरुष) के १० पदों के ९१७८ मतपत्रों की गणना हुई। चुनाव अधिकारी जेबी सिंह ने बताया कि मतगणना में अब तक प्रत्याशी सौरभ शुक्ला को १४१७,आचार्य प्रवीण तिवारी को १३१७, देवाशीष त्रिपाठी को १२३१, अंकुश यादव को ११३८, आदित्य सिंह को १०८५, चित्रांशु श्रीवास्तव को १०७८, बृष्ण मोहन सिंह को १०६५,अखिलेश कुमार शुक्ला को १०५४, अभिषेक तिवारी को १०४५, अमित सिंह बिसेन को १०३२,मोहित कुमार तिवारी को १०११,कुलदीप त्रिपाठी को ९८७, सचिन शर्मा को ९७६, जफर अली को ९७५, विनय कुमार (साहू) को ९६२,रजनी कुमार मिश्र को ९३१, अमित कुमार शुक्ला को ९१८, गौरव मिश्रा को ८९८, अफजल अली को ८८५ मत मिले। कार्यकारिणी सदस्य के लिए कुल १०० प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। मतगणना के दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी सैय्यद फरमान अहमद नकवी, चुनाव अधिकारी वशिष्ठ तिवारी, जेबी सिंह, राज कुमार शुक्ला, लक्ष्मीकांत मिश्र, अनुभव शुक्ला सहित शैलेन्द्र सिंह राठौर, सुभाष चन्द्र यादव, दीपक राणा, विक्रम बहादुर सिंह, दीपक यादव आदि अधिवक्ता मौजूद रहे। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को अपने निर्धारित समयानुसार लाइब्रेरी हाल में मतगणना होगी।

एसआरएन में मारपीट मामलेमें जिला अधिवक्ता संघ ने सीएम को भेजा पत्र

(विधि संवाददाता)

एसआरएन अस्पताल में अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला के साथ कथित मारपीट का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। जिला अधिवक्ता संघ ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप करने और दोषी चिकित्सकों तथा अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष कृष्ण बिहारी तिवारी और मंत्री बरुण कुमार सिंह की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि एसआरएन अस्पताल में मरीजों को समय से उपचार नहीं मिलने तथा चिकित्सकों और कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं। संघ ने २३ अक्टूबर २०२६ को अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला के साथ हुई कथित मारपीट की घटना का उल्लेख करते हुए इसकी निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

उमरे में डिजिटलीकरणको गति महाप्रबन्धकने डाक्यूमेन्ट्रीकी रिलीज



उत्तर मध्य रेलवे में कार्यालयी कार्यप्रणाली को अधिक सरल, व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से रिकार्ड डिजिटलीकरण की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, नरेश पाल सिंह ने डिजिटलीकरण कार्यक्रम की उपलब्धियों एवं इसके महत्व को प्रदर्शित करने वाली डाक्यूमेंट्री को रिलीज किया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित रहे। डाक्यूमेंट्री के माध्यम से रेलवे में डिजिटल कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने, अभिलेखों के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संरक्षण तथा कागजी रिकार्ड पर निर्भरता कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रदर्शित किया गया। यह पहल रेलवे की कार्यप्रणाली को आधुनिक बनाने और तकनीक के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उत्तर मध्य रेलवे में अब तक चार करोड़ से अधिक रिकार्ड डिजिटल किए जा चुके हैं। इस दौरान उत्तर मध्य रेलवे में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत २०० मीट्रिक टन कागज हटाये गये। इसके अतिरिक्त, पुराने रिकार्ड के निस्तारण से लगभग २५,००० वर्गफीट कार्यालयी स्थान खाली कराया गया है तथा डिजिटल अभिलेखों के संरक्षण के लिए ५८ टेराबाइट से अधिक स्टोरेज क्षमता विकसित की गयी है।

इस अवसर पर महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने डिजिटलीकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस प्रक्रिया को निरंतर आगे बढ़ाने तथा शेष अभिलेखों को भी चरणबद्ध तरीके से डिजिटल करने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यालयी कार्यों में डिजिटल माध्यमों के अधिकाधिक उपयोग और पेपरलेस कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

युवकका मोबाइल छीनकर भागे बाइक सवार बदमाश

सिविल लाइंस क्षेत्र में ट्रैफिक चौराहे के पास बाइक सवार दो युवकों ने झपट्टा मारकर एक व्यक्ति का मोबाइल फोन छीन लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपित बेली अस्पताल की तरफ भाग निकले। पीड़ित ने घटना की जानकारी सिविल लाइंस पुलिस को दी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों की तलाश कर रही है।

मम्फोर्डगंज के फौव्वारा चौराहा निवासी मनीष रावत ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि २५ अक्तूबर की रात करीब १० बजे वह जरूरी काम निपटाकर घर लौट रहे थे। ट्रैफिक चौराहे के पास पीछे से बाइक सवार दो युवक आए और उनके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर भाग निकले। पीड़ित ने बताया कि बाइक चला रहा युवक बिना हेलमेट के था, जबकि पीछे बैठे युवक ने हेलमेट पहन रखा था। पीड़ित ने आरोपितों का पीछा भी किया लेकिन वह फरार हो चुके थे। सिविल लाइंस पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

बाइक सवार युवकको पीटा, जानसे मारनेकी धमकी

एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के असरावल खुर्द में तेज रफ्तार आटो को रोककर धीरे चलाने की बात कहना बाइक सवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि ऑटो चालक ने गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर दो युवकों ने बाइक सवार को पकड़कर पीट दिया। मारपीट में उसके बाएं अंगूठे में गहरी चोट आई है। एयरपोर्ट पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

असरावल खुर्द निवासी कार्तिकेय उर्फ मुन्ना ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि २६ अक्तूबर को दोपहर करीब दो बजे वह मोटरसाइकिल से घर जा रहा था। कब्रिस्तान के पास एक ऑटो तेज रफ्तार में उसकी बाइक के हैंडल के बगल से गुजरा। किसी तरह टक्कर से बचने के बाद उसने आगे जाकर ऑटो रोक लिया और चालक को धीरे चलाने के लिए कहा। आरोप है कि इस पर ऑटो चालक गालीगलौज करने लगा और दोबारा रोकने पर जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर आसिफ और नफीस ने उसे पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। हमले में उसके बाएं अंगूठे में गहरी चोट आई, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं। पीड़ित ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई और पुलिस की आपातकालीन सेवा ११२ पर सूचना दी।

स्ट्रोक में हर मिनट कीमती, छह घंटे सबसे अहम-डा.सिद्धार्थ

स्ट्रोक (मस्तिष्काघात)की समस्या मुख्य रूप से दो कारणों से होती है, नसों (रक्त वाहिकाओं) में खून का थक्का (ब्लड क्लाट) जमने के कारण एवं फिर वाहिका के अचानक फट जाने के कारण। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर स्ट्रोक के लक्षण दिखने के छह घंटे के भीतर मरीज का उचित इलाज शुरू हो जाय तो बड़े खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

उक्त बातें मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के स्ट्रोक मेडिसिन में फेलोशिप प्राप्त न्यूरोलाजिस्ट डा. सिद्धार्थ सिंह बुधवार को 'द टाइम इन नाउ' (यही सही समय है) विषय पर विश्व स्ट्रोक दिवस के अवसर पर बतायी। उन्होंने आगे बताया कि स्ट्रोक एक बेहद गंभीर और आपातकालीन स्थिति है,जिसमें हर मिनट की देरी मरीज के जीवन एवं उसकी शारीरिक क्षमता पर भारी पड़ सकती है।मस्तिष्क के किसी हिस्से में रक्त की आपूर्ति रुकने एवं रक्त वाहिका फटने से मरीज की मौत हो सकती है एवं वह हमेशा के लिए दिव्यांग हो सकता है। हालांकि जागरुकता एवं सही समय पर इलाज मिलने से मरीज को नया जीवन दिया जा सकता है।

अब किसानोंको आनलाइन बुकिंगके जरिये मिलेगा बीज

बीज अनुदान योजनामें बदलाव, बढ़ेगी पारदर्शिता

किसानों के लिए चलाई जा रही बीज अनुदान योजना में बड़ा बदलाव किया गया है। अब किसानों को पहले आओ-पहले पाओ की व्यवस्था से राहत देते हुए आनलाइन बुकिंग की नई व्यवस्था शुरू की गई है, जिससे योजना में पूरी तरह पारदर्शिता लाई जा सके। कृषि विभाग के अनुसार, किसानों को बीजों पर ५० प्रतिशत से लेकर ७५प्रतिशत तक का अनुदान दिया जा रहा है। उप निदेशक पवन कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि पहले बीज गोदामों पर पहले आओ और पहले पाओ का नियम लागू था, जिससे कई किसानों को बीज नहीं मिल पाता था और वे इसका लाभ उठाने से वंचित रह जाते थे। इस समस्या